Global 500 roll of honour to Indian Scientists for contribution to Environment

1580. SHRI MAHENDRA PRASAD: Will the Minister of ENVIRONMENT AND FORESTS be pleased to state:

(a) whether a number of Indian Scientists and technicians have been awarded the Global 500 Roll of Honour of the UN Environment Programme this year for their outstanding contributions to environment development, maintenance of ecology and prevention of air and water pollution;

(b) if so, the details thereof and the contributions made by each scientist|engineer|technician for which the award has been conferred; and

(c) how their services are being utilised for environment maintenance purposes in the country?

THE MINISTER OF ENVIRONMENT AND FORESTS (SHRI NILAMANI ROUTRAY): (a) to (c) The United Nations Environment Programme (UNEP) has awarded the Global 500 Roll of Honour to the Bombay Natural History Society (BNHS), The Kerala Sastra Sahitya Parishad (KSSP), Dr. Gunavantrai Oza and Dr. Dhrubajyoti Ghosh. The BNHS has been awarded for its crucial role in protecting India's wildlife, the Kerala Sastra Sahitya Parishad for its contribution to environmental protection and rational use of natural resources as a grass root Non-governmental organization, Dr. Gunavantrai Oza for his important studies in wildlife Botany and Dr. Dhrubajyoti Ghosh for his environmental contribution in identification of the wetlands east of Calcutta as the World's largest resource recovery system. All the four awardees are associated in different programmes of the Government connected with their areas of work in the field of environment.

प्राथमिक विद्यालयों में बुनियादी सुविधाओं का अभाव तथा शिक्षकों की कमी

1581. **श्री राम नरेश यादव :** क्या **प्रधान मंत्री** 7 अगस्त, 1990 को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न 27 के दिए गए उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1990-91 के वर्ष के लिए पेय जल, श्याम पट्ट और बैठने की व्यवस्था संबंधी सुविधाएं प्रदान करने के लिए सरकार की योजनाओं का ब्यौरा क्या है, तथा ये सुविधायें कितने प्राथमिक विद्यालयों में उपलब्ध करायी जाएंगी तथा ये सुविधायें उपलब्ध कराने में कितने करोड़ रुपये व्यय किए जायेंगे; और

(ख) विद्यार्थियों की संख्या के अनुपात से देश में कितने प्राथमिक शिक्षकों की आवश्यकता है तथा कितने प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षकों की कमी है, तथा इस कमी को पूरा करने के लिए सरकार ने क्या योजना बनाई है ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री चिमन भाई मेहता) : (क) वर्ष 1987-88 में सरकार ने देश में सभी प्राथमिक विद्यालयों को जरूरी भौतिक सुविधायें देने के लिए 'आपरेशन ब्लैक बोर्ड' के नाम से एक योजना शुरू की थी। अन्य बातों के साथ साथ इसमें (i) ब्लैक बोर्ड (ii) बैठने की व्यवस्था के लिए बच्चों के लिए चटाई और शिक्षक के लिए फर्नीचर, और (iii) पीने के पानी का भंडार करने के लिए घड़े का प्रावधान शामिल किया गया था । इस योजना के लिए वर्ष 1990-91 में 147 करोड़ रु. की राशि आवंटित की गयी है, जिससे